हिमालयी जलप्रलय : विकास की चुनौती

हाल ही में भारत के पड़ोसी नेपाल में 26 अगस्त 2026 को चीन-नेपाल सीमा के पास आई भीषण अचानक बाढ़ (फ्लैश फ्लड) ने भारी तबाही मचाई है। प्रारंभिक वैज्ञानिक आकलनों के अनुसार, तिब्बत की ओर नेपाल-चीन सीमा के निकट किसी बड़े भूस्खलन, बर्फ-चट्टान के खिसकने या ग्लेशियर से जुड़ी घटना के कारण भारी मात्रा में मलबा और पानी नदी तंत्र में पहुंचा, जिससे अचानक जलप्रवाह बढ़ गया और विनाशकारी फ्लैश फ्लड पैदा हुई।

ताजा रिपोर्टों के अनुसार, नेपाल में कम से कम 157 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और सैकड़ों लोग अभी भी लापता हैं। चीन के तिब्बत क्षेत्र में भी कम से कम तीन लोगों की मौत तथा बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने की सूचना है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में रसुवा जिला, स्याफ्रुबेसी और टिमुरे शामिल हैं। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार बाढ़ ने घरों, पुलों, सड़कों, सीमा क्षेत्र की सुविधाओं और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया है।

गौरतलब है कि इस जलप्रलय में नेपाल ही नहीं, भारतीय नागरिक भी बड़ी संख्या में प्रभावित हुए हैं और उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार कम से कम 133 भारतीयों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। इनमें कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर गए लोग भी शामिल हैं।

इस त्रासदी ने एक महत्वपूर्ण सवाल फिर खड़ा किया है कि क्या ऐसी आपदाओं की पूर्व चेतावनी और सीमा-पार सूचना-साझाकरण व्यवस्था को और मजबूत नहीं किया जा सकता? यदि किसी संभावित आपदा की सूचना प्रभावित क्षेत्रों तक पर्याप्त समय पहले पहुंच जाए, तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि इस आपदा ने हिमालयी क्षेत्र में बड़े बांधों, जलविद्युत परियोजनाओं, सड़क निर्माण और सुरंगों जैसी विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव को लेकर भी चिंता बढ़ा दी है।

हिमालय अत्यंत नाजुक भू-भाग है। यहां बड़े पैमाने पर निर्माण से वनों की कटाई, भूस्खलन, नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव और जैव-विविधता को नुकसान जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों के पिघलने और हिमालयी आपदाओं के जोखिम में वृद्धि की पृष्ठभूमि में अनियोजित निर्माण स्थिति को और गंभीर बना सकता है।

काठमांडू स्थित अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के 2026 के अध्ययनों के अनुसार, हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के ग्लेशियरों में बर्फ के नुकसान की दर वर्ष 2000 के बाद लगभग दोगुनी हो गई है। 1990 से 2020 के बीच इस क्षेत्र के ग्लेशियरों ने लगभग 12 प्रतिशत क्षेत्रफल और 9 प्रतिशत अनुमानित बर्फ भंडार खो दिया।

1975 से निगरानी किए जा रहे 38 ग्लेशियरों के आंकड़ों में 27 मीटर तक बर्फ की मोटाई का नुकसान सामने आया है। यह स्थिति ग्लेशियरों के पीछे हटने के साथ-साथ ग्लेशियर झील फटने जैसी आपदाओं के जोखिम को भी बढ़ाती है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि विश्व स्तर पर जलवायु परिवर्तन का प्रमुख कारण मानवीय गतिविधियों से बढ़ता ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन है। कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से कार्बन डाइऑक्साइड का स्तर बढ़ रहा है।

इसके अलावा वनों की कटाई, औद्योगिकीकरण, वाहनों और विमानों से होने वाला उत्सर्जन, सीमेंट एवं निर्माण क्षेत्र, कृषि एवं पशुपालन तथा कचरे से निकलने वाली मीथेन भी तापमान वृद्धि में योगदान दे रही है।

औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर की तुलना में पृथ्वी का औसत सतही तापमान अब लगभग 1.1-1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। प्राकृतिक कारकों का भी जलवायु पर प्रभाव पड़ता है, लेकिन वर्तमान दीर्घकालिक वैश्विक तापवृद्धि का मुख्य कारण मानवजनित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन है।

अंततः यही कहा जा सकता है कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन मजबूत पूर्व चेतावनी, वैज्ञानिक निगरानी और सीमा-पार सूचना-साझाकरण व्यवस्था से जान-माल के नुकसान को काफी कम किया जा सकता है।

चीन, नेपाल, भारत और दक्षिण एशिया के अन्य देशों को हिमालयी क्षेत्र के लिए साझा आपदा चेतावनी एवं सूचना प्रणाली विकसित करनी चाहिए। साथ ही विकास परियोजनाओं को हिमालय की पर्यावरणीय संवेदनशीलता और वहन क्षमता के अनुरूप बनाना होगा।

हिमालय को बचाना केवल पर्यावरण की चिंता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जल, जीवन और सुरक्षा को बचाने का सवाल है।

दस हजार समाजबंधु एक-दूजे को रक्षासूत्र बांधकर करेंगे सामूहिक महाअर्घ्य

इंदौर, 27 अगस्त। शहर में जैन समाज के इतिहास में पहली बार शुक्रवार को सुबह 6 बजे से वीआईपी रोड स्थित दलाल बाग के विशाल परिसर में निर्मित विद्या-सुधा मंडप में करीब 10 हजार समाज बंधु संत शिरोमणि प.पू. विद्यासागर म.सा. के परम प्रभावक शिष्य और राष्ट्रसंत मुनि पुंगव प.पू. श्री सुधासागर महाराज के पावन सानिध्य में एकदूसरे को रक्षासूत्र बांधकर जिन शासन, अपने परिवार, धर्म और राष्ट्र की रक्षा और गुरु के सानिध्य में चलने का संकल्प लेंगे।

इस दिव्य अनुष्ठान के दौरान देश के विभिन्न शहरों से आए परिवार दो लाख से अधिक श्रीफल से सामूहिक महाअर्घ्य समर्पित कर रक्षाबंधन महामहोत्सव मनाएंगे। दलाल बाग पर इतनी बड़ी संख्या में श्रीफल का संग्रह कर लिया गया है।

अनुष्ठान में शामिल महिलाएं केशरिया साड़ी और पुरुष श्वेत धोती-दुपट्टा पहनकर सभा मंडप में पाटे पर बैठकर प्रत्येक परिवार की ओर से 700 श्रीफल समर्पित किए जाएँगे। राष्ट्रसंत प.पू. सुधासागर म.सा. के प्रवचनों की अमृत वर्षा भी होगी।

सकल दिगम्बर जैन धर्म प्रभावना समिति के तत्वावधान में हो रहे इस अभूतपूर्व आयोजन में देशभर के समाज बंधु शामिल होने के लिए गुरुवार से ही इंदौर पहुँचने लगे हैं।

आयोजन समिति की ओर से चक्रवर्ती शिवानी-नवीन गोधा, तृप्ति-हर्ष जैन, सपना-मनीष गोधा, अंतिका-आनंद गोधा एवं दीपिका-आकाश जैन कोयला ने बताया कि रक्षाबंधन का यह पर्व श्रमण संस्कृति रक्षा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।

रक्षा बंधन : विष्णु कुमार मुनि द्वारा 700 मुनिराज पर आएं उपसर्ग को दूर किया गया था

इंदौर (ओम पाटोदी)। जहां रक्षा बंधन का सामाजिक महत्व भाई बहनों के प्रेम का प्रतीक है वहीं इसकी धार्मिक प्रष्ठ भूमि अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका सम्बन्ध पौराणिक नगरी हस्तिनापुर से है।

उक्त जानकारी देते हुए वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने बताया कि जैन धर्म में रक्षाबंधन पर्व का विशेष महत्व है। यह पर्व भाई-बहन के प्रेम के प्रतीक के रूप में मनाए जाने वाले सामान्य रक्षाबंधन से भिन्न है।

जैन परंपरा के अनुसार, यह त्योहार 700 दिगंबर मुनियों की रक्षा से जुड़ा है, जिन्हें हस्तिनापुर के राजा बलि के उपसर्ग से महामुनि विष्णु कुमार ने बचाया था।

इस घटनाक्रम का अत्यंत करूणा पूर्ण विवरण हमारे धर्म ग्रंथों में मिलता है। इसका अत्यंत प्राचीन मूर्ती शिल्प हमें हस्तिनापुर के जैन मंदिर में मिलता है।

इसके अलावा भारत में कई स्थानों पर इस घटनाक्रम का शिल्पांकन और चित्रांकन उपलब्ध है। अतः इसका विशेष महत्व धर्म रक्षा को लेकर है।

इस दिन रिद्धि सिद्धि के धारक मुनि श्री विष्णु कुमार जी की विशेष पुजा अर्चना की जाती है और 700 निर्ग्रन्थ मुनिराज को अर्घ्य समर्पित किया जाता है।

इंदौर महानगर में निर्यापकाचार्य मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में सैकड़ों परिवार के द्वारा 700-700 श्री फल के माध्यम से विशेष विधान पुजा अर्चना होगी।

श्रीमती कमलाबाई पाटनी की शोकसभा में उमड़ा जनसैलाब

श्रीमती कमलाबाई पाटनी के स्वर्गवास के पश्चात आयोजित उठावने एवं शोकसभा में समाज और शहर के विभिन्न वर्गों से बड़ी संख्या में समाजसेवी, रिश्तेदार एवं आत्मीयजन उपस्थित हुए। शोकसभा में उमड़ी इतनी विशाल उपस्थिति ने यह प्रमाणित कर दिया कि दादी जी केवल अपने परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज के असंख्य लोगों के हृदय में विशेष स्थान रखती थीं।

श्री मनमोहन झांझरी व राजेश गंगवाल ने बताया कि दादी जी अत्यंत धार्मिक, सरल, सहज, सेवाभावी और समाजसेवी प्रवृत्ति की महिला थीं। साधु-संतों के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा थी ।

पाटनी परिवार भी दादी जी के संस्कारों की सुंदर तस्वीर है। चार पुत्रों श्री कैलाश जी , श्री जम्बू जी , श्री विजय जी , श्री दीपक जी, बहुओं, नाती-पोतों और पूरे परिवार से भरपूर उनका परिवार हमेशा एकजुटता और आपसी प्रेम के लिए जाना जाता है । परिवार की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि किसी भी सदस्य को कहीं भी सुख-दुख या परेशानी आती है, तो पूरा परिवार बिना किसी भेदभाव के उसके साथ खड़ा हो जाता है । दादी जी ने पूरे परिवार को माला के मोतियों की तरह एक सूत्र में बांधकर रखा। उनकी मधुर स्मृतियां, धार्मिक आस्था, साधु-संतों के प्रति समर्पण, समाजसेवा और परिवार को जोड़कर रखने की अद्भुत क्षमता सदैव जीवित रहेगी।

मॉ ही इस जीवन में संस्कारित करती है

इंदौर। मैं जैसे ही मनुष्य पर्याय में आया सबसे पहले माँ से ही मुलाकात होती है,माँ से ही सुसंस्कार प्राप्त होते हैं, कुसंगति से बचना हो तो हमेशा माँ के द्वारा दिये गये संस्कारों का पालन करना चाहिए , जिससे मेरा जीवन एवं जगत के अन्य प्राणी भी इस असार संसार को छोड़कर भविष्य में सुगति को प्राप्त कर, तत्पश्चात मोक्ष(सच्चा सुख को प्राप्त करे।एसी मंगल भावना अपने उदबोधन(प्रवचन) में गच्छगणिनी साध्वीजी सुभद्राश्रीजी म.सा., नवकार दरबार में व्यस्त रहने वाले साध्वीजी शुभंकराश्रीजी म.सा.आदि साध्वी मंडल ने श्री चिंतामणि जैन श्वेतामबर मंदिर महावीर बाग एरोड्रम रोड, इन्दौर में व्यक्त किये।

प्रवचन के पश्चात संघ पूजा का लाभ बाहर से पधारे अतिथियों ने लिया। प्रवचन में खरतरगच्छ श्रीसंघ के अध्यक्ष श्री सुरेश डोसी, धर्मेन्द्र मेहता मनोहर सुराना,संजय छाजेड़, हेमन्त मालू,आशीष सेखावत, श्रीमती आशा कोठारी, श्रीमती प्रेमलता सुराना, श्रीमती प्रेमलता लालन,आदि ने पधारकर जिनशासन की शोभा बढ़ाई।

26 साल से आस्था का उत्सव

चंद्रमौलेश्वर महादेव की महाआरती में उमड़ा भक्तों का सैलाब

इंदौर। श्रावण मास के अवसर पर भगवान चंद्रमौलेश्वर महादेव का विधि-विधान से महाअभिषेक किया गया। शाम 7 बजे हुई भव्य महाआरती में मंदिर परिसर भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने परिवार और देश की सुख-समृद्धि और अच्छी वर्षा की कामना की। इसके बाद भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ। वहीं राहुल बाथला की संगीत टीम ने सुंदर भजन प्रस्तुतियों से माहौल को और भक्तिमय बना दिया। भजनों पर बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने गरबा और नृत्य कर उत्सव का आनंद लिया। आयोजन प्रमुख मुकेश दोलिया, प्रमोद दोलिया गोपाल सिंह यादव पहलवानऔर शिवभक्त शुभम दोलिया ने बताया कि रुद्राभिषेक का आयोजन पिछले 26 वर्षों से लगातार श्रद्धा और भक्ति के साथ किया जा रहा है।

डोर टू डोर एप के एजेंट अब लेंगे बिजली बिल भुगतान

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के आदेश पर उपभोक्ताओं को बिजली बिल भुगतान को लेकर एक और सुविधा दी गई है। अब कंपनी के डोर टू डोर बिजली बिल संग्रहण एजेंट क्यूआर कोड के माध्यम से भी उपभोक्ताओं से बिजली बिल रकम प्राप्त करेंगे, यह बिजली बिल राशि सीधे बिजली कंपनी के खाते में जमा होगी। कंपनी की इस सुविधा से हजारों एजेंटों के माध्यम से लाखों उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी, उन्हें कैशलेस छूट भी दी जाएगी। बिजली बिल की राशि जमा करने का आह्वान करने वाला एजेंट पहले की तरह नकद राशि भी प्राप्त कर उपभोक्ताओं को ई पद्धित से रसीद दे देगा, उसके पास बिजली कंपनी जोन, वितरण केंद्र अंतर्गत कार्यरत होने का परिचय पत्र भी होगा।

पारिवारिक कांवड़ यात्रा का आयोजन

इंदौर। नम्बरदार परिवार की ओर से नन्हें बच्चों आन, बान और शान द्वारा पारिवारिक कांवड़ यात्रा बैंड बाजे, ढोल , डीजे के साथ

औरंध कोठी 1209 ष्ठ सुदामा नगर इंदौर से अन्नपूर्णा मंदिर के काशी विश्वनाथ मंदिर तक निकाली गई। बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी बाघाम्बर परिधान में कांवड़ यात्रा में शामिल हुए। नन्हें बच्चों के कांधे पर कांवड़ क्षेत्रवासियों के लिए आकर्षण था। यात्रा का जगह जगह क्षेत्रवासियों ने स्वागत किया एवं पारिवारिक कांवड़ यात्रा की प्रशंसा की। परिवार के मुखिया और सेवा निवृत पुलिस अधिकारी एस पी एस चौहान श्रीमती गुड्डी चौहान, डॉक्टर सत्यांश प्रताप सिंह चौहान, डॉक्टर वाहिनी सिंह चौहान, डॉक्टर रोहिणी चौहान, श्रीमती रेणु राजावत एवं परिवार के कई सदस्य शामिल हुए।

सिंधिया ने इंदौर में मालू परिवार से की सौजन्य भेंट

इंदौर - अपने एक दिवसीय इंदौर प्रवास के दौरान देश के केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया आज भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय श्री गोविंद मालू के निवास स्थान पर पहुंचे। सिंधिया ने मालू परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर पुरानी स्मृतियों को साझा किया और परिवार के प्रति अपनी आत्मीयता प्रकट की।

भव्य स्वागत और आत्मीय मिलननिवास स्थान पर आगमन पर मालू परिवार के लव मालू,हरि मालू और वासुदेव मालू ने पारंपरिक रूप से दुपट्टा पहनाकर केंद्रीय मंत्री सिंधिया का स्वागत किया। मुलाकात के दौरान एक बेहद सुखद और पारिवारिक क्षण तब देखने को मिला जब केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने श्रीमती ऊष्मा मालू को उनके जन्मदिवस के विशेष अवसर पर पुष्पगुच्छ भेंट किया। उन्होंने श्रीमती मालू के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करते हुए उन्हें अपनी ओर से हार्दिक शुभेच्छाएं दीं। इस अवसर पर तुलसी सिलावट,प्रताप करोसिया,श्रवण सिंह चावड़ा,सेम पावरी,राजीव जैन,विनोद खण्डेलवाल,अमित विजयवर्गीय, शैलेन्द्र राठौर,अमित जैन उपस्थित रहे।

नगर पालिक निगम, इन्दौर
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (जलप्रदाय)
नर्मदा परियोजना मूसाखेड़ी, इन्दौर
E-mail: ee2_narmada@rediffmail.com, Ph.: 0731-2712846

निविदा सूचना क्रमांक: 14/एस.ए.सी./लेखा/का.य./जलप्रदाय/2026-27 **ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना** इन्दौर, दिनांक: 24.08.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD
01 द्वितीय आमंत्रण	2026_UAD_532586_1	यशवंत सागर जलप्रदाय व्यवस्था अंतर्गत देवघरम फिल्टर स्टेशन पर जलशुध्दिकरण संयंत्र हेतु आवश्यक सामग्री रसायन सोडा ऐश, ब्लीचिंग पावडर, हाईड्रेट लाइम प्रदाय करने का कार्य। (सम्पूर्ण सामग्री शेड्युल अनुसार)	1) 15 माह 2) ₹8,50,085/-	1) ₹17,002/- 2) ₹2,000/-
02 प्रथम आमंत्रण	2026_UAD_532586_2	जोन क्रमांक-03 वार्ड क्रमांक-57 अंतर्गत नगर निगम संघवेल पर नौव 75 एच.पी. के मोटर पंप प्रदाय सहित स्थापना का कार्य। (सम्पूर्ण सामग्री शेड्युल अनुसार)	1) 01 माह 2) ₹1,69,128/-	1) ₹3,383/- 2) ₹2,000/-
03 प्रथम आमंत्रण	2026_UAD_532623_1	जोन क्रमांक-01 वार्ड क्रमांक-16 जलप्रदाय क्षेत्र अंतर्गत स्कीम नं. 155 कॉलोनी एवं बगीचो में स्थित शासकीय बोरिंगो से पानी की व्यवस्था हेतु 63 एम.एम. व्यास की एच.डी.पी.ई. पाईप लाइन प्रदाय करने, बिछाने, जोड़ने, टेस्टिंग, कमीशनिंग व घरेलु कनेक्शन एवं अन्य समस्त कार्यों के साथ पूर्ण करना। (सम्पूर्ण सामग्री शेड्युल अनुसार)	1) 03 माह 2) ₹4,04,414/-	1) ₹8,088/- 2) ₹2,000/-

1.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन जमा करने की अंतिम दिनांक	:	10.09.2026, 18:00 बजे तक
2.	निविदा ऑनलाइन खोलने की दिनांक (ENVELOPE A/B)	:	11.09.2026

नोट: निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (जलप्रदाय)
नगर पालिक निगम, इन्दौर

सड़क हादसे में मृत मजदूर के परिवार को मिले 35 लाख रुपये का मुआवजा

इंदौर। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण इन्दौर ने सड़क हादसे में जान गवांने वाले मजदूर व्यक्ति सुरेश पिता अर्जुन के आश्रित परिवार के पक्ष में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुये करीब 35 लाख रुपये का मुआवजा देने के आदेश बीमा कम्पनी को दिये यह राशि बीमा कम्पनी को 30 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। अधिवक्ता राधेश्याम यादव ने बताया की दिनांक 31.10.2024 को मृतक सुरेश अपने रिश्तेदार राहुल के साथ मोटर सायकल से अम्झेरा से जीराबाद मजदूरी करने जा रहा था जैसे ही वह अम्झेरा के आगे भीलट बाबा मन्दिर रोड पर पहुंचें तभी जीराबाद तरफ से आ रही मोटर सायकल का चालक अपने वाहन को तेजगति एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर लाया और मृतक सुरेश की मोटर सायकल में सामने से जोरदार टक्कर मार दी जिससें सुरेश तथा राहुल गम्भीर रुप से घायल हो गये सुरेश की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई। सुरेश अपने परिवार का एक मात्र कमाने वाला व्यक्ति था उसके परिवार में पत्नि, दो छोटे बच्चें एवं माता पिता है। जिनका भरण पोषण एक मात्र सुरेश करता था। मृतक सुरेश के परिवारजनों ने अधिवक्ता राधेश्याम के माध्यम से वलेम प्रतिकर दावा इन्दौर में प्रस्तुत किया था।

जिसमें माननीय न्यायालय ने परिवारजन के पक्ष में 35 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश पारित किया है।

पश्चिम रेलवे - रतलाम मंडल

ई- निविदा सूचना

• **ई-निविदा संख्या :** GEM/2026/B/7964431 • **कार्य का नाम एवं स्थान:** रतलाम मंडल के कोचिंग डिपो इंदौर में 105 KLD क्षमता वाले वाटर रीसाइक्लिंग प्लांट का संचालन एवं व्यापक रखरखाव, 03 वर्ष की अवधि के लिए। • **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹35,29,557/- • **बयाना राशि:** ₹70,590/- • **समापन अवधि:** LOA जारी होने की तिथि से 03 वर्ष। • **निविदा खोलने का कार्यालय:** वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी, इंदौर का कार्यालय। • **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 24.09.2026 को 15:00 बजे तक। निविदा से संबंधित संपूर्ण जानकारी **GeM वेबसाइट (www.gem.gov.in)** पर देखी जा सकती है। इस संबंध में अन्य जानकारी वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी, इंदौर कार्यालय (पश्चिम रेलवे) से सभी कार्य दिवसों में प्राप्त की जा सकती है।

CRY/226

Like us on: facebook.com/WesternRly